

बरसाना बसा लो किशोरी

बरसाना बसा लो किशोरी, जगत में जी ना लगे,
मुझे अपना बना लो किशोरी, जगत में जी ना लगे,
बरसाना बसा लो किशोरी....

फंस गया मैं तो जगत जंजाल में, तेरे सिवा कौन मेरा इस ससांर में,
इस फंद से अब तूं छुड़ाना, जगत में जी ना लगे,
बरसाना बसा लो किशोरी....

पागल मन की बस एक ही तम्मनां है,
धसका को तेरे, चरणों में अब रहना है,
पुरी करना ये अर्जी मेरी, जगत में जी ना लगे,
बरसाना बसा लो किशोरी....

रचनां-: बाबा धसका पागल

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28658/title/barsana-basa-lo-kishori>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |